



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाएरस ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD

Website : jainshikshan.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ ओगस्ट २०१९ – जैन शाळा - प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : २ से ५

Certificate Course Level 1

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्र.१ रिक्त स्थानों की पूर्ति करो.

(२५)

(१) पुरिसुत्तमाणं,,,,

.....,, लोग हियाणं

(२) तस्स उत्तरी करणेणं,,,,

.....,, ठामि

(३) चंदपहं वंदे,,,,

.....,, विमल

(४) ओसा,,,,,

....., संताणा

(५) सिव,,,,

....., मपुणरावित्ति

(१) नमो आयरियाणं	(१)स्तुति अथवा वंदन करुं छुं	
(२) पडिक्कमिऊं	(२)निःश्वास, नीचो श्वास मुकवाथी	
(३) हुज्ज मे	(३) कफ गळवा वडे थता संचारथी	
(४) वत्तिया	(४) पंचवर्णी लीलफूग – सेवाळ	
(५) सुहुमेहि खेल संचालेहिं	(५) पापथी निवृत थवाने	
(६) सक्कारेमि	(६) मुच्छा आववाथी	
(७) पणग	(७) घ्रास्को पमाडयो होय	
(८) मुच्छाअे	(८) बीजोने कचर्या होय	
(९) झाणेणं	(९) आचार्य भगवंतो ने नमस्कार हो	
(१०) बीयक्कमणे	(१०) आप धर्मदेव छो	
(११) वंदामि	(११) परिताप – पीडा उपजावी होय	
(१२) देवयं	(१२) धूळ आदिथी ढांकया होय	
(१३) उद्दविया	(१३) धर्मध्याने करीने	
(१४) परियाविया	(१४) हजो, मारो	
(१५) नीससिअेणं	(१५) सत्कार करुं छुं	

१. जैन अेटले तिर्थकरनी आज्ञाने यथाशक्ति आचरणमां मुके ।
२. अरिहंत भगवान मोटा कहेवाय छे ।
३. अरिहंत भगवाने ८ कर्मोने क्षय कर्या छे ।
४. अरिहंत भगवाने आपणने सिध्द भगवाननी ओळखाण करावी छे ।
५. तीर्थ ५ छे ।
६. उपाध्यायजी ने शरीर नथी ।
७. जधन्य वंदना गोदोहिका आसने बेसीने बे वार कराय छे ।
८. त्रण गुणो आपणामां पण प्रगट थाय ते माटे वंदना त्रण वार कराय छे ।.....
९. पज्जुवासामि बोलीने ऊभा थई जवु ।
१०. तिक्वुतो अेटले बे हाथ जोडीने पोताना जमणा कान तरफथी डाबा कानतरफ लई जवा ।

अ) सुंदरता ब) विवेक क) पैसा

४. जमता पहेला

अ) हुं आहारनी प्रसंशा करीश ब) हुं काचुं मीटुं वापरीश

क) हुं सुपात्र दाननी भावना भावीश

५. गुच्छो बनेलो होय छे

अ) प्लास्टीक ब) ऊननो क) मणका

६. डाहयो कोण ?

अ) तृष्णावाळो (इच्छावाळो) ब) समयने ओळखे ते क) अमूल्य भानवभव गुमावे ते

७. जगतनो दास कोण ?

अ) जे आशानो दास होय ते ब) जे मननी दास होय ते क) जे समयनी दास होय ते

८. आपणे जैनशाळा जईने करवुं जोईअे

अ) स्कुलनुं होमवर्क ब) संवर क) वार्तानी चोपडी वांचवी

९. सामयिकमां आसन शा माटे पाथरवुं जोईअे

अ) वायुकायनी जीवोनी रक्षा करवा ब) पुस्तक मुकवा

क) जीवजंतु आपणा शरीर पर न चडे

१०. वाणी-विवेक अेटले ?

अ) ऊँचे अवाजे बोलवुं ब) खराब शब्दो बोलवा क) मीठी वाणी बोलवी

११. हुं रोज सवारे ऊठीने

अ) १११११ बोलौश ब) जय-जिनेन्द्र बोलौश क) ११११११ ११११११ बोलौश

१२. हुं कोण छुं ?

अ) आत्मा ब) शरीर क) बंन्ने

१३. हुं खाईश

अ) धरनुं बनावेलुं ब) रेंकडी पर बनावेलुं क) होटलमां

१४. सामायिक अेटले शांतिथी अेक स्थाने बेसवुं

अ) २४ घडी ब) ३६ घडी क) २ घडी

१५. माळाना पारा होय छे

अ) १०९ ब) १०८ क) १०७

प्र. ७ साचां के खोटा कहो

(१०)

१. भगवान महावीर स्वामीनो जन्म चैत्र सुद तेरस (१३) नी बपोरे माता त्रिशला राणीनी कुक्षिअे थयो हतो ।
२. भगवान महावीर स्वामीनी पुत्रीतुं नाम प्रियदर्शना हतुं ।
३. अमरकुमार धनवान हतो ।
४. राजकुमार अतिमुकते अन्य संताने कहयुं के जे वस्तु जाणुं छुं ते नथी जाणतो अने जे नथी जाणती ते जाणुं छु ।
५. भगवान महावीर ज्यारे २८ वर्षना हता त्यारे तेमना माता-पितानुं देवलोक गमन थयुं ।
६. अतिमक्त कुमारना पितानुं नाम ऋषभदत्त हतुं ।
७. पोलासपुरना राजा विजयसेन हता ।
८. अमरकुमारने राजा श्रेणिक पर खुब क्रोध आव्यो ।
९. चंडकौशिक नागे प्रभु महावीरने क्रोधथी डंख मार्यो ।
१०. सिध्यार्थ राजाने २ पुत्र अने २ पुत्री हता ।

प्र. ८ कविता पूर्ण करो.

१. श्रद्धा भरी छे

अ) रंग लाग्यो छे ब) अंतरमा क) रंगरंगमां

२. अमारी आत्म शुद्धिनी

अ) व्हालो मंत्र बोलीने ब) हवे लेवा अमर पदने क) नमुं छुं भावथी तेने

३. जनम्या छे तो धर्मने माटे

अ) महावीरना संतान छे ब) धर्म माटे बलिदान छे क) जीवुं छे तो धर्मने माटे

४. नानां नानां भूलकां

अ) जाणे गुलाब फुलडा ब) चालो आपणे जईअे क) महावीरना शासनमां

५. जुठुं नहि बोलीअे

अ) टी.वी. थी दूर रहीअे ब) चोरी नहि करीअे क) महावीरना शासनमां

६. घरी चारित्र आचार्यो

अ) विदारे कर्मना मळने ब) धरावे भव्य जीवोने क) नमुं छुं भावथी तेने

७. वहालो मंत्र बोलीने

अ) हवे लेवा अमर पदने ब) नमुं छुं भावथी तेने क) अमारी आत्म शुद्धि नो

८. धर्म माटे बलिदान छे

अ) भाई महावीरना संतान छे ब) जीवुं छे तो धर्मने माटे क) मरुं छे तो धर्मने माटे

९. वहेला ऊठी जईअे

अ) जय जिनेन्द्र बोलीअे ब) नवकार मंत्र गणीअे क) महावीरना शासनमां

१०. सकल मंगल महीं मंगल

अ) प्रभु ते पंच परमेष्ठि ब) नमुं छुं भावथी तेने क) प्रथम मंगल गणुं जेने

जय जिनेन्द्र